(This question paper contains 2 printed pages)

12101302_3_set1_Social and Political Philosophy: Indian and Western (Core Paper)_B.A. (Hons) Philosophy LOCF

Duration: 3+1 Hours Maximum Marks: 75

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश

Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt four questions in all.

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. "For enlightenment of this kind, all that is needed is freedom. And the freedom in question is the most innocuous form of all – freedom to make public use of one's reason in all matters." Discuss with reference to Kant's essay.

   "इस तरह के ज्ञानोदय के लिए, केवल स्वंतंत्रता की आवश्यकता है। और यह वो स्वंतंत्रता है जो सबसे अहानिकारक है – सभी मुद्दों में बुद्धि का सार्वजानिक प्रयोग करने की स्वंतंत्रता ।" कांत के लेख के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिये ।

2. What is the 'original position' and how does Rawls use it to discuss a framework for 'justice as fairness'?

   'मूल स्थिति' क्या है, और रॉल्स 'औचित्य के रूप में न्याय' की व्याख्या करने के लिए इसका किस प्रकार प्रयोग करते हैं?

3. Discuss the issue of multiculturalism and the politics of recognition with reference to Charles Taylor's views.

   चार्ल्स टेलर के विचारों के सन्दर्भ में बहुसंस्कृतिवाद और मान्यता की राजनीती की व्याख्या कीजिये।

4. What aspects of the Modern Western Civilisation does Gandhi criticise in *Hind Swaraj*? Comment.

   आधुनिक पाश्चात्य सभ्यता के कौन से पेहलूओं का गाँधी ने *हिन्द स्वराज* में खंडन किया है? टिपण्णी कीजिये।

5. "In India we are suffering from this conflict between the spirit of the West and the Nation of the West." Discuss Tagore's critique of Nationalism in this context.

   "भारत में हम पाश्चात्य की आत्मा और पाश्चात्य के राष्ट्र के टकराव के कारण से पीड़ित हैं ।" इस सन्दर्भ में टैगोर की राष्ट्रवाद की समीक्षा की व्याख्या कीजिये।

6. Discuss the key issues of the feminist movement, with special reference to Nivedita Menon's reading.

   नारीवादी आन्दोलनों की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिये - निवेदिता मेनोन के लेख के सन्दर्भ में।